

4

जनसांख्यिकीय रूपरेखा

4.1 पृष्ठभूमि

जनगणना 2001 के अनुसार, भारत की आबादी 102.86 करोड़ है, जिसमें शहरी आबादी 28.61 करोड़ है। शहरी आबादी 1981 में 23.33% से बढ़कर 1991 में 25.72% तथा 2001 में 27.81% हो गई है। जनगणना 2001 के आंकड़ों के अनुसार, 38% शहरी आबादी 35 महानगर केन्द्रों (10 लाख से अधिक) में है। चार महानगरों: मुंबई, कोलकाता, दिल्ली तथा चैन्नई में कुल मिलाकर 17% है और लगभग 4.5% आबादी एन.सी.टी.--दिल्ली में रहती है (सारणी 4.1)।

सारणी 4.1: भारत में एन.सी.टी.-दिल्ली व तीन महानगरों में तुलनात्मक वृद्धि (1951-2001)

शहर/ दशक	बृहत मुंबई शहरी क्षेत्र		कोलकाता शहरी क्षेत्र		चैन्नई शहरी क्षेत्र		एन.सी.टी.-दिल्ली	
	आबादी (व्यक्ति)	दशक वृद्धि दर (%)	आबादी (व्यक्ति)	दशक वृद्धि दर (%)	आबादी (व्यक्ति)	दशक वृद्धि दर (%)	आबादी (व्यक्ति)	दशक वृद्धि दर (%)
1	2	3	4	5	6	7	8	9
1951	29,66,902	--	46,69,559	--	15,42,333	--	17,44,072	--
1961	41,52,056	39.95	59,83,669	28.14	19,44,502	26.08	26,58,612	52.44
1971	59,70,575	43.80	74,20,300	24.01	31,69,930	63.02	40,65,698	52.93
1981	82,43,405	38.07	91,94,018	23.90	42,89,347	35.31	62,20,406	53.00
1991	1,25,96,243	52.80	1,10,21,918	19.88	54,21,985	26.41	94,20,644	51.45
2001	1,63,68,084	29.94	1,32,16,546	19.91	64,24,624	18.49	1,38,50,507	47.02
औसत		40.91		23.17		33.86		51.37

स्रोत: जनगणना 1951, 1961, 1971, 1981, 1991 और 2001, भारत की जनगणना

जैसा कि उपर्युक्त सारणी में उल्लेख है कि एन.सी.टी.-दिल्ली में, 1951 से प्रत्येक दशक में जनसंख्या वृद्धि की दर अन्य महानगरों से कहीं अधिक है। यदि यही वृद्धि दर बनी रही, तो अगले दशक में एन.सी.टी.-दिल्ली की आबादी 2021 तक बृहत मुंबई से भी अधिक हो जाएगी।

4.2. जनसांख्यिकीय रूपरेखा

4.2.1 जनसंख्या वितरण और घनत्व

रा.रा.क्षे. में पूरा एन.सी.टी.-दिल्ली, हरियाणा के आठ जिले, राजस्थान का एक जिला और उत्तर प्रदेश के पांच जिले शामिल है जिसकी जनगणना 2001 के अनुसार आबादी 371 लाख थी। एन.सी.टी.-दिल्ली, हरियाणा, राजस्थान तथा उत्तर प्रदेश के उप-क्षेत्रों में रा.रा.क्षे. की आबादी का क्रमशः 37.33%, 23.42%, 8.07% तथा 31.19% है। जैसा कि सारणी 4.2 से देखा जा सकता है राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र की आबादी में एन.सी.टी.-दिल्ली की हिस्सेदारी पिछले दो दशकों के दौरान निरंतर बढ़ी है।

सारणी 4.3 से पता चलता है कि पिछले दो दशकों में रा.रा.क्षे. की आबादी में ग्रामीण आबादी की तुलना में शहरी आबादी की बहुत तेज वृद्धि हुई है। शहरी आबादी की हिस्सेदारी 1981 में 45.87% से बढ़कर 1991 में 50.23% तथा 2001 में 56.39% हो गई। तथापि, एन.सी.टी.-दिल्ली को छोड़कर राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में, शहरी आबादी की हिस्सेदारी 1991 में केवल 29% थी और वास्तव में 1991-2001 के दौरान बहुत कम वृद्धि हुई है। 1981-2001 के दौरान उप-क्षेत्रवार हरियाणा, राजस्थान,

4

DEMOGRAPHIC PROFILE AND SETTLEMENT PATTERN

4.1 BACKGROUND

According to the Census 2001, India has a population of 102.86 crores, of which the share of urban population is 28.61 crores. The urban share increased from 23.33% in 1981 to 25.72% in 1991 and 27.81% in 2001. Of the total urban population, 38% is accounted for by 35 metropolitan centres (over 10 lakhs) enumerated by the Census 2001. The four mega-cities: Mumbai, Kolkata, Delhi and Chennai together account for more than 17% and about 4.5 % reside in NCT-Delhi (refer Table 4.1).

Table 4.1: Comparative Growth for NCT-Delhi and three Mega-cities in India (1951-2001)

City/ Year	Greater Mumbai UA		Kolkata UA		Chennai UA		NCT-Delhi	
	Population (Person)	Decadal Growth Rate (%)	Population (Person)	Decadal Growth Rate (%)	Population (Person)	Decadal Growth Rate (%)	Population (Person)	Decadal Growth Rate (%)
1	2	3	4	5	6	7	8	9
1951	29,66,902	--	46,69,559	--	15,42,333	--	17,44,072	--
1961	41,52,056	39.95	59,83,669	28.14	19,44,502	26.08	26,58,612	52.44
1971	59,70,575	43.80	74,20,300	24.01	31,69,930	63.02	40,65,698	52.93
1981	82,43,405	38.07	91,94,018	23.90	42,89,347	35.31	62,20,406	53.00
1991	1,25,96,243	52.80	1,10,21,918	19.88	54,21,985	26.41	94,20,644	51.45
2001	1,63,68,084	29.94	1,32,16,546	19.91	64,24,624	18.49	1,38,50,507	47.02
Average		40.91		23.17		33.86		51.37

Source: Census 1951, 1961, 1971, 1981, 1991 and 2001, Census of India

The growth of population in NCT-Delhi, as indicated in the above table, has been much higher than that of the other mega-cities in every decade since 1951. If this growth rate is allowed to continue, the population of NCT-Delhi will overtake even Greater Mumbai by 2021.

4.2 DEMOGRAPHIC PROFILE

4.2.1 Population Distribution and Density

The NCR comprises the entire NCT of Delhi, eight districts of Haryana, one district of Rajasthan and five districts of Uttar Pradesh with a population of over 371 lakhs in 2001. The Sub-regions of NCT-Delhi, Haryana, Rajasthan and Uttar Pradesh accommodated 37.33%, 23.42%, 8.07% and 31.19% of NCR's population respectively. The relative share of NCT-Delhi in the population of NCR has been steadily increasing during the last two decades, as seen in Table 4.2.

Table 4.3 reveals that during the past two decades, the urban share in NCR has registered a higher growth rate as compared to its rural counterpart. The urban share increased from 45.87% in 1981 to 50.23% in 1991 and 56.39% in 2001. However, in NCR excluding NCT-Delhi, the share of urban population in 1991 was only 29% and there has been practically very little increase during 1991-2001. Sub-region wise

उत्तर प्रदेश तथा एन.सी.टी.-दिल्ली में शहरी आबादी में वृद्धि लगभग क्रमशः 146%, 122%, 137% तथा 124% थी।

सारणी 4.2: राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र के उप-क्षेत्रों में आबादी वितरण

उप-क्षेत्र/ वर्ष	आबादी (व्यक्ति)			दशक वृद्धि दर (%)		आबादी में हिस्सा (%)		
	1981	1991	2001	1981-1991	1991-2001	1981	1991	2001
1	2	3	4	5	6	7	8	9
एन.सी.टी.-दिल्ली	62,20,406	94,20,644	1,38,50,507	51.45	47.02	31.28	34.43	37.33
हरियाणा	49,38,541	66,43,604	86,87,050	34.53	30.76	24.84	24.28	23.42
राजस्थान	17,55,575	22,96,580	29,92,592	30.82	30.31	8.83	8.39	8.06
उत्तर प्रदेश	69,68,646	0,01,704	1,15,70,117	29.17	28.53	35.05	32.90	31.19
रा.रा.क्षे.	1,98,83,168	2,73,62,532	3,71,00,266	37.62	35.59	100.00	100.00	100.00

स्रोत: जनगणना 1981, 1991 और 2001, भारत की जनगणना

सारणी 4.3: राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में शहरी आबादी का ग्रामीण आबादी घटक (1981-2001)

शहरी आबादी का ग्रामीण आबादी घटक/ वर्ष	आबादी (व्यक्ति)			प्रतिशत हिस्सा (%)		
	1981	1991	2001	1981	1991	2001
1	2	3	4	5	6	7
कुल राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र	1,98,83,168	2,73,62,532	3,71,00,266	100.00	100.00	100.00
शहरी राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र	91,20,172	1,37,44,784	2,09,20,074	45.87	50.23	56.39
ग्रामीण राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र	1,07,62,996	1,36,17,748	1,61,80,192	54.13	49.77	43.61
शहरी रा.रा.क्षे. एन.सी.टी.- दिल्ली को छोड़कर	33,51,972	52,73,159	80,14,294	24.53	29.39	34.47

स्रोत: जनगणना 1981, 1991 और 2001, भारत की जनगणना

एन.सी.टी.-दिल्ली सहित रा.रा.क्षे. में आबादी का घनत्व 2001 में अखिल भारतीय औसत 324 व्यक्ति प्रति वर्ग किलोमीटर की तुलना में 1,105 व्यक्ति प्रति वर्ग किलोमीटर है, जबकी एन.सी.टी.-दिल्ली को छोड़कर यह घनत्व 724 व्यक्ति प्रति वर्ग किलोमीटर है। उप-क्षेत्रवार जनसंख्या घनत्व सारणी 4.4 में दिखाया गया है।

सारणी 4.4: राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में उप-क्षेत्रवार आबादी घनत्व (2001)

उप-क्षेत्र/ वर्ष	घनत्व (व्यक्ति प्रति वर्ग कि.मी.)	
	1981	2001
1	2	3
एन.सी.टी.-दिल्ली	4,192	9,340
उत्तर प्रदेश	642	1,066
हरियाणा	368	648
राजस्थान *	238	382
राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र	634	1,105

नोट: * राजस्थान उप-क्षे. के अनुरूप 1981 में अलवर जिले का कुछ भाग और 2001 में संपूर्ण जिला शामिल है

स्रोत: जनगणना 1981 और 2001, भारत की जनगणना

उपर्युक्त सारणी से स्पष्ट है कि राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र तथा एन.सी.टी.-दिल्ली में जहां समग्र आबादी घनत्व लगभग दो गुना हुआ है वहीं अन्य सभी उप-क्षेत्रों में घनत्व 50% से 75% तक बढ़ा है।

4.2.2 उप-क्षेत्रवार आबादी की वृद्धि

i) एन.सी.टी.-दिल्ली

1951-1991 की अवधि के दौरान संघ शासित क्षेत्र दिल्ली में आबादी की दशक वृद्धि लगातार 50% से अधिक रही है। तथापि, 1991-2001 के दौरान, आबादी वृद्धि दर 51.45% से घटकर 47.02% हो गई। सारणी 4.5 में 1901 से 2001 तक आबादी की वृद्धि दर्शाई गई है।

क) ग्रामीण आबादी

जनगणना 2001 के अनुसार, एन.सी.टी.-दिल्ली की ग्रामीण आबादी 9,63,215 थी। 1981-1991 के दशक के दौरान तेजी से ग्रामीण आबादी में वृद्धि (109.86%) पाई गई, उसके बाद वृद्धि दर 1991-2001 में 0.45% घटी।

urban population growth during 1981-2001 was about 146%, 122%, 137% and 124% in Haryana, Rajasthan, Uttar Pradesh and NCT-Delhi respectively.

Table 4.2: Sub-region wise Distribution of Population in NCR

Sub-region/ Year	Population (Person)			Decadal Growth Rate (%)		Share of Population (%)		
	1981	1991	2001	1981-1991	1991-2001	1981	1991	2001
1	2	3	4	5	6	7	8	9
NCT-Delhi	62,20,406	94,20,644	1,38,50,507	51.45	47.02	31.28	34.43	37.33
Haryana	49,38,541	66,43,604	86,87,050	34.53	30.76	24.84	24.28	23.42
Rajasthan	17,55,575	22,96,580	29,92,592	30.82	30.31	8.83	8.39	8.06
Uttar Pradesh	69,68,646	0,01,704	1,15,70,117	29.17	28.53	35.05	32.90	31.19
NCR	1,98,83,168	2,73,62,532	3,71,00,266	37.62	35.59	100.00	100.00	100.00

Source: Census 1981, 1991 and 2001, Census of India

Table 4.3: Urban-Rural Components of Population in NCR (1981-2001)

Urban-Rural Component/ Year	Population (Person)			Percent share (%)		
	1981	1991	2001	1981	1991	2001
1	2	3	4	5	6	7
Total NCR	1,98,83,168	2,73,62,532	3,71,00,266	100.00	100.00	100.00
Urban NCR	91,20,172	1,37,44,784	2,09,20,074	45.87	50.23	56.39
Rural NCR	1,07,62,996	1,36,17,748	1,61,80,192	54.13	49.77	43.61
Urban NCR excluding NCT-Delhi	33,51,972	52,73,159	80,14,294	24.53	29.39	34.47

Source: Census 1981, 1991 and 2001, Census of India

The density of population in NCR including NCT-Delhi is 1,105 persons per sq km against the all India average of 324 persons per sq km in 2001, while excluding NCT-Delhi it is 724 persons per sq km. The Sub-region wise population density is shown in Table 4.4.

Table 4.4: Sub-region wise Population Density in NCR (2001)

Sub-region/ Year	Density (Person/sq km)	
	1981	2001
1	2	3
NCT-Delhi	4,192	9,340
Uttar Pradesh	642	1,066
Haryana	368	648
Rajasthan*	238	382
NCR	634	1,105

Note: * Corresponds to Rajasthan Sub-region comprising part of Alwar district in 1981 and the entire district in 2001

Source: Census 1981 and 2001, Census of India

The above table reveals that while the overall population density has nearly doubled in NCR as well as NCT-Delhi, in all other Sub-regions it has increased by 50% to 75%.

4.2.2 Sub-region wise Growth of Population

i) NCT-Delhi

The decadal growth of population in the National Capital Territory of Delhi during the period 1951-1991 has been consistently above 50%. However, during the 1991-2001, the population growth declined from 51.45% to 47.02%. Table 4.5 depicts the growth of population from 1901 to 2001.

a) Rural Population

As per the Census 2001, the rural population of NCT-Delhi was 9,63,215. The rural population showed sharp increase during the decade 1981-1991 (109.86%), after which it declined by 0.45% during 1991-

गांवों की संख्या भी 1991 में 209 से घटकर 2001 में 158 रह गई, क्योंकि उन्हें शहरी समूहों में शामिल कर लिया गया और शहरी आबादी के रूप में पुनः वर्गीकरण/निर्धारण किया गया ।

सारणी 4.5: एन.सी.टी.-दिल्ली में आबादी की वृद्धि (1901-2001)

वर्ष	कुल		ग्रामीण		शहरी	
	आबादी (व्यक्ति)	दशक वृद्धि (%)	आबादी (व्यक्ति)	दशक वृद्धि (%)	आबादी (व्यक्ति)	दशक वृद्धि (%)
1	2	3	4	5	6	7
1901	4,05,819	-	1,91,704	-	2,14,115	-
1911	4,13,851	1.98	1,75,907	-8.24	2,37,944	11.13
1921	4,88,452	18.03	1,84,032	4.62	3,04,420	27.94
1931	6,36,246	30.26	1,88,804	2.59	4,47,442	46.98
1941	9,17,939	44.27	2,22,253	17.72	6,95,686	55.48
1951	7,44,072	90.00	3,06,938	38.10	14,37,134	106.58
1961	6,58,612	52.44	2,99,204	-2.52	23,59,408	64.17
1971	40,65,698	52.93	4,18,675	39.93	36,47,023	54.57
1981	62,20,406	53.00	4,52,206	8.01	57,68,200	58.16
1991	94,20,644	51.45	9,49,019	109.86	84,71,625	46.87
2001	1,38,50,507	47.02	9,44,727	-0.45	1,29,05,780	52.34

स्रोत: जनगणना 1901, 1911, 1921, 1931, 1941, 1951, 1961, 1971, 1981, 1991 और 2001, भारत की जनगणना

ख) शहरी आबादी

एन.सी.टी.-दिल्ली अत्यंत शहरीकृत है इसकी 93.18% आबादी शहरी क्षेत्रों में रहती है जबकि शहरी आबादी का राष्ट्रीय औसत 27.81% है । सारणी 4.6 में दिल्ली में 1951-2001 में शहरी प्रतिशत आबादी में वृद्धि दर्शायी गई है। वर्ष 1981 में दिल्ली में केवल 57.68 लाख व्यक्ति शहरी क्षेत्रों में रहते थे जबकि 2001 में यह संख्या दोगुनी से अधिक होकर 129 लाख हो गई । 1981-2001 के दौरान दिल्ली की शहरी आबादी 124% बढ़ी है ।

सारणी 4.6: दिल्ली में शहरीकरण की प्रवृत्ति (लाख में)

जनगणना वर्ष	1951	1961	1971	1981	1991	2001
1	2	3	4	5	6	7
शहरी प्रतिशत	82.4	88.75	89.68	92.73	89.93	93.18

स्रोत: जनगणना 1951, 1961, 1971, 1981, 1991 और 2001, भारत की जनगणना

ग) एन.सी.टी.-दिल्ली में वृद्धि के घटक

दिल्ली की आबादी में वृद्धि के मुख्य घटक प्राकृतिक वृद्धि और आप्रवास हैं । 1961-1971, 1971-1981 तथा 1981-1991 की अवधि के दौरान प्राकृतिक वृद्धि क्रमशः 54.94%, 55.80% तथा 59.21% दर्ज की गई जो वृद्धि की प्रवृत्ति को दर्शाता है जबकि निवल-आप्रवास में मामूली कमी पाई गई जो 1961-1971 में 45.06% से घटकर 1971-1981 में 44.20% थी तथा 1981-1991 में और घटकर 40.78% हो गई ।

घ) आप्रवास

एन.सी.टी.-दिल्ली की आबादी की वृद्धि में आप्रवास महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है । 1971-81 के दौरान, एन.सी.टी.-दिल्ली की आबादी में 21.54 लाख की अतिरिक्त वृद्धि हुई थी, जिसमें से 12.30 लाख आप्रवासी थे। 1981-1991 के बीच, आबादी में कुल 32.00 लाख की अतिरिक्त वृद्धि में से 13.05 लाख आप्रवासी आबादी के कारण थी । दिल्ली से बाहर-प्रवास में भी वृद्धि पाई गई है जो 1961-1971 में 2.42% से बढ़कर 1981-1991 में 2.82% हो गई । इस प्रकार 1971-1981 तथा 1981-1991 के दशकों के दौरान निवल-आप्रवास क्रमशः 44.20% तथा 40.78% रहा । तथापि स्पष्ट शब्दों में कहा जाए तो, आप्रवासियों की संख्या में लगातार वृद्धि हो रही है । सारणी 4.7 में 1961-1991 की अवधि में दिल्ली के आप्रवास संबंधी आंकड़े दिये गए हैं ।

जैसा कि सारणी 4.8 में दिखाया गया है, कि दिल्ली में आप्रवास करने वालों का 68% उत्तर प्रदेश, हरियाणा, और राजस्थान राज्यों का हैं । कुल आप्रवासियों में से आधे केवल उत्तर प्रदेश से हैं ।

2001. The number of villages also declined from 209 in 1991 to 158 in 2001, mainly due to their inclusion in the urban agglomeration and re-classification/enumeration as urban.

Table 4.5: Growth of Population of NCT-Delhi (1901-2001)

Year	Total		Rural		Urban	
	Population (Person)	Decadal Growth (%)	Population (Person)	Decadal Growth (%)	Population (Person)	Decadal Growth (%)
1	2	3	4	5	6	7
1901	4,05,819	--	1,91,704	--	2,14,115	--
1911	4,13,851	01.98	1,75,907	-08.24	2,37,944	11.13
1921	4,88,452	18.03	1,84,032	04.62	3,04,420	27.94
1931	6,36,246	30.26	1,88,804	02.59	4,47,442	46.98
1941	9,17,939	44.27	2,22,253	17.72	6,95,686	55.48
1951	17,44,072	90.00	3,06,938	38.10	14,37,134	106.58
1961	26,58,612	52.44	2,99,204	-02.52	23,59,408	64.17
1971	40,65,698	52.93	4,18,675	39.93	36,47,023	54.57
1981	62,20,406	53.00	4,52,206	08.01	57,68,200	58.16
1991	94,20,644	51.45	9,49,019	109.86	84,71,625	46.87
2001	1,38,50,507	47.02	9,44,727	-0.45	1,29,05,780	52.34

Source: Census 1901, 1911, 1921, 1931, 1941, 1951, 1961, 1971, 1981, 1991 and 2001, Census of India

b) Urban Population

NCT-Delhi is highly urbanized with 93.18% of its population living in urban areas as against the national average of 27.81%. Table 4.6 depicts the percentage growth of urban population in Delhi during 1951-2001. While only 57.68 lakhs persons lived in Delhi's urban areas in 1981, it more than doubled to 129 lakhs in 2001. During the period 1981-2001, urban population of NCT-Delhi increased by 124%.

Table 4.6: Trends of Urbanization in NCT-Delhi (in Lakhs)

Census Year	1951	1961	1971	1981	1991	2001
1	2	3	4	5	6	7
Percent Urban	82.4	88.75	89.68	92.73	89.93	93.18

Source: Census 1951, 1961, 1971, 1981, 1991 and 2001, Census of India

c) Components of Growth in NCT-Delhi

The main components of the population growth of NCT-Delhi are natural growth and in-migration. The share of natural growth during the period 1961-1971, 1971-1981 and 1981-1991 have been recorded as 54.94%, 55.80% and 59.21% respectively, showing increasing trend while the share of net migration showed a marginal decline from 45.06% during 1961-1971 to 44.20% during 1971-1981 and further declined to 40.78% during the period 1981-1991.

d) Migration

Migration plays an important role in the growth of population of NCT-Delhi. During 1971-1981, there was a net addition of 21.54 lakhs to the population of NCT-Delhi, of which 12.30 lakhs were in-migrants. Between 1981-1991, of the total 32.00 lakhs addition in the population, net-migrant population accounted for 13.05 lakhs. The share of out-migration from Delhi had also been increasing from 2.42 lakhs in 1961-1971 to 2.82 lakhs in 1981-1991. Thus net-migration contributed 44.20% and 40.78% during the decade 1971-1981 and 1981-1991 respectively. However, in absolute terms, the number of migrants was continuously increasing. Table 4.7 presents migration data for Delhi for the period 1961-1991.

As shown in Table 4.8, about 68% of migrants to Delhi belong to the States of Uttar Pradesh, Haryana and Rajasthan. Uttar Pradesh alone accounts for nearly half of the total migrants.

जैसा कि जनगणना 1991 के दस्तावेज में बताया गया है एन.सी.टी.-दिल्ली में आप्रवास के मुख्य कारण में परिवारों का आना जाना, रोजगार, विवाह तथा व्यापार हैं, जोकि वर्ष 1981-1991 के दशक के दौरान आप्रवास क्रमशः 41.45%, 31.29%, 15.62% तथा 4.07% है ।

सारणी 4.7: दिल्ली में आबादी और आप्रवासियों में वृद्धि (1961-1991)

वर्ष	1961	1971	1981	1991
1	2	3	4	5
आबादी (लाख)	26.59	40.66	62.20	94.20
वृद्धि दर (%)	52.44	52.91	53.00	51.45
आबादी में वृद्धि (लाख)	-	14.07	21.54	32.00
आप्रवासी घटक (लाख)				
क) आप्रवासी	-	8.76	12.30	15.87
ख) बाहर जाने वाले प्रवास	-	2.42	2.78	2.82
ग) निवल आप्रवास	-	6.34	9.52	13.05
		(45.06%)	(44.20%)	(40.78%)
प्राकृतिक वृद्धि के घटक (लाख)	-	7.73	12.02	18.95
		(54.94%)	(55.80%)	(59.21%)

स्रोत: जनगणना 1961, 1971, 1981 और 1991, भारत की जनगणना

सारणी 4.8: आखिरी निवास स्थान से वर्गीकृत आप्रवासी

आखिरी निवास	1971-1981 (%)	1981-1991 (%)
1	2	3
उत्तर प्रदेश	50.09	48.25
हरियाणा	12.93	11.51
बिहार	5.77	10.69
राजस्थान	7.63	6.00
पंजाब	6.40	5.28
पश्चिम बंगाल	2.70	2.72
मध्य प्रदेश	3.07	2.64
केरल	1.47	1.57
तमिलनाडु	1.66	1.52
महाराष्ट्र	2.01	1.44
हिमाचल प्रदेश	1.91	1.41
अन्य (भारत के बाहर शामिल)	4.37	6.98
कुल	100.00	100.00

स्रोत: जनगणना 1971, 1981 और 1991, भारत की जनगणना

ii) हरियाणा उप-क्षेत्र

हरियाणा उप-क्षेत्र में आठ जिले शामिल हैं अर्थात् पानीपत, सोनीपत, रोहतक, गुडगांव, फरीदाबाद, रेवाड़ी और नए बने झज्जर और मेवात जिले । झज्जर जिला रोहतक जिले से बनाया गया है जब कि मेवात जिला गुडगांव और फरीदाबाद जिलों से बनाया गया है ।

सारणी 4.9: हरियाणा उप-क्षेत्र में आबादी की वृद्धि (1961-2001)

वर्ष	कुल		ग्रामीण		शहरी	
	आबादी (व्यक्ति)	दशक वृद्धि (%)	आबादी (व्यक्ति)	दशक वृद्धि (%)	आबादी (व्यक्ति)	दशक वृद्धि (%)
1	2	3	4	5	6	7
1961	28,93,365	--	24,32,155	--	4,61,210	--
1971	37,98,228	31.27	31,20,856	28.32	6,77,372	46.87
1981	49,38,541	30.02	37,31,837	19.58	12,06,704	78.14
1991	66,43,604	34.53	48,08,344	28.85	18,35,260	52.09
2001	86,87,050	30.76	57,22,372	19.01	29,64,678	61.54

स्रोत: जनगणना 1961, 1971, 1981 और 1991, भारत की जनगणना

The main reasons for migration into NCT-Delhi as enumerated in the Census 1991 are family movement, employment, marriage and business, which account for 41.45%, 31.29%, 15.62% and 4.07% of migrants respectively during 1981-1991.

Table 4.7: Growth of Population and Migrants into Delhi (1961-1991)

Year	1961	1971	1981	1991
1	2	3	4	5
Population (lakhs)	26.59	40.66	62.20	94.20
Growth Rate (%)	52.44	52.91	53.00	51.45
Growth of Population (lakhs)	-	14.07	21.54	32.00
Component of Migrants (lakhs)				
a) In-migrants	-	8.76	12.30	15.87
b) Out-migrants	-	2.42	2.78	2.82
c) Net-migrants	-	6.34	9.52	13.05
		(45.06%)	(44.20%)	(40.78%)
Component of natural increase (lakhs)	-	7.73	12.02	18.95
		(54.94%)	(55.80%)	(59.21%)

Source: Census 1961, 1971, 1981 and 1991, Census of India

Table 4.8: Migrants classified by place of last residence

Place of last residence	1971-1981 (%)	1981-1991 (%)
1	2	3
Uttar Pradesh	50.09	48.25
Haryana	12.93	11.51
Bihar	5.77	10.69
Rajasthan	7.63	6.00
Punjab	6.40	5.28
West Bengal	2.70	2.72
Madhya Pradesh	3.07	2.64
Kerala	1.47	1.57
Tamil Nadu	1.66	1.52
Maharashtra	2.01	1.44
Himachal Pradesh	1.91	1.41
Others (include outside India)	4.37	6.98
Total	100.00	100.00

Source: Census 1971, 1981 and 1991, Census of India

ii) Haryana Sub-region

The Haryana Sub-region comprises eight districts namely Panipat, Sonapat, Rohtak, Gurgaon, Faridabad, Rewari and the newly created Jhajjar and Mewat districts. Jhajjar district has been carved out from Rohtak district while Mewat district is carved out from Gurgaon and Faridabad districts.

Table 4.9: Growth of Population in Haryana Sub-region (1961-2001)

Year	Total		Rural		Urban	
	Population (Person)	Decadal Growth (%)	Population (Person)	Decadal Growth (%)	Population (Person)	Decadal Growth (%)
1	2	3	4	5	6	7
1961	28,93,365	--	24,32,155	--	4,61,210	--
1971	37,98,228	31.27	31,20,856	28.32	6,77,372	46.87
1981	49,38,541	30.02	37,31,837	19.58	12,06,704	78.14
1991	66,43,604	34.53	48,08,344	28.85	18,35,260	52.09
2001	86,87,050	30.76	57,22,372	19.01	29,64,678	61.54

Source: Census 1961, 1971, 1981, 1991 and 2001, Census of India

सारणी 4.9 यह दर्शाता है कि हरियाणा उप-क्षेत्र में दशक वृद्धि दर 1971-1981 दशक के दौरान 30% से बढ़कर 1981-1991 के दशक के दौरान 34% हो गया, उसके बाद 1991-2001 के दौरान यह घटकर 30.76% हो गया। 1971-1981 के दशक के दौरान शहरी आबादी की वृद्धि 78% थी जो 1991-2001 के दशक के दौरान घटकर 61% हो गई। 1981 और 2001 के बीच, हरियाणा उप-क्षेत्र की शहरी आबादी में 146% वृद्धि हुई है।

iii) राजस्थान उप-क्षेत्र

क्षेत्रीय योजना-2021 के लिए राजस्थान उप-क्षेत्र में अलवर जिले की 12 तहसीलें नामतः बहरोर, मंडावर, कोटकासिम, तिजारा, किशनगढ़ बास, रामगढ़, अलवर, बंसूर, थानागाजी, राजगढ़, लक्ष्मणगढ़ और कथूमर शामिल हैं।

सारणी 4.10 दर्शाती है कि राजस्थान उप-क्षेत्र में जनसंख्या की वृद्धि अपेक्षाकृत स्थिर रही है, जो 1971 से 25-30% के बीच अलवर जिले में ग्रामीण आबादी की वृद्धि 1981-2001 की अवधि के दौरान 23% से बढ़कर 29% हो गई। लेकिन, शहरी आबादी की वृद्धि में अलग प्रवृत्ति स्पष्ट है। यह 1961-1971 में 44.36% थी, जो 1981-1991 के दौरान बढ़कर 63.24% हुई और 1991-2001 में पुनः घटकर 35.80% हो गई। 1981 और 2001 के बीच, राजस्थान उप-क्षेत्र की शहरी आबादी में 122% वृद्धि हुई।

सारणी 4.10: राजस्थान उप-क्षेत्र में आबादी की वृद्धि अर्थात् पूरा अलवर जिला (1961-2001)

वर्ष	कुल		ग्रामीण		शहरी	
	आबादी (व्यक्ति)	दशक वृद्धि (%)	आबादी (व्यक्ति)	दशक वृद्धि (%)	आबादी (व्यक्ति)	दशक वृद्धि (%)
1	2	3	4	5	6	7
1961	11,00,372	--	10,12,480	--	87,892	--
1971	14,03,787	27.57	12,76,905	26.12	1,26,882	44.36
1981	17,71,173	26.17	15,74,972	23.34	1,96,201	54.63
1991	22,96,580	29.66	9,76,293	25.48	3,20,287	63.24
2001	29,92,592	30.31	25,57,653	29.42	4,34,939	35.80

स्रोत: जनगणना 1961, 1971, 1981, 1991 और 2001, भारत की जनगणना

iv) उत्तर प्रदेश उप-क्षेत्र

मेरठ, गाजियाबाद, बुलन्दशहर, गौतमबुद्ध नगर तथा बागपत जिले उत्तर प्रदेश के उप-क्षेत्र में शामिल हैं। नया बनाया गया गौतम बुद्ध नगर जिला गाजियाबाद और बुलन्दशहर जिलों से अलग करके बनाया गया है और बागपत जिले को मेरठ जिले में से अलग करके बनाया गया है।

सारणी 4.11 से पता चलता है कि एन.सी.टी.-दिल्ली की तुलना में, उत्तर प्रदेश उप-क्षेत्र में 1981 से लगभग 28-29% की दर पर, धीमी गति से, जनसंख्या वृद्धि हो रही है। तथापि, 1971 और 1991 के बीच, शहरी आबादी में तीव्र गति से वृद्धि हुई है, जिसके बाद वृद्धि दर 48% तक घट गई। 1981-2001 की अवधि के दौरान, उत्तर प्रदेश उप-क्षेत्र की शहरी आबादी 137% से बढ़ गई है।

सारणी 4.11: उत्तर प्रदेश उप-क्षेत्र में आबादी की वृद्धि (1961-2001)

वर्ष	कुल		ग्रामीण		शहरी	
	आबादी (व्यक्ति)	दशक वृद्धि (%)	आबादी (व्यक्ति)	दशक वृद्धि (%)	आबादी (व्यक्ति)	दशक वृद्धि (%)
1	2	3	4	5	6	7
1961	44,50,172	--	36,71,496	--	7,78,676	--
1971	54,40,296	22.25	43,51,826	18.53	10,88,470	39.78
1981	69,68,646	28.09	50,19,579	15.34	19,49,067	79.06
1991	90,01,704	29.17	58,84,092	17.22	31,17,612	59.95
2001	1,15,70,117	28.53	69,55,440	18.21	46,14,677	48.02

स्रोत: जनगणना 1961, 1971, 1981, 1991 और 2001, भारत की जनगणना

4.2.3 2021 के लिए जनसंख्या अनुमान

वर्ष 2011 तथा 2021 के लिए राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र की जनसंख्या के अनुमान सारणी 4.12 में दी गई है। राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र की जनसंख्या 2021 तक 641.38 लाख होने का अनुमान है। वर्ष 2021 तक दिल्ली की 234.87 लाख

Table 4.9 shows that decadal growth rate in the Haryana Sub-region increased from 30% during 1971-81 to 34% during 1981-1991, after which it declined to 30.76% during 1991-2001. The growth of urban population was 78% during 1971-1981 and declined to 61% during the decade 1991-2001. Between 1981 and 2001, the urban population of Haryana Sub-region increased by 146%.

iii) Rajasthan Sub-region

The Rajasthan Sub-region for the Regional Plan-2021 constitutes Alwar district and includes all the 12 tehsils namely Behror, Mandawar, Kotkasim, Tijara, Kishangarh Bas, Ramgarh, Alwar, Bansur, Thanagazi, Rajgarh, Lachhmangarh, and Kathumar.

Table 4.10 shows that population growth in the Rajasthan Sub-region has been relatively constant, ranging between 25-30% since 1971. The growth of rural population in Alwar district during the period 1981-2001 increased from 23% to 29%. The growth of urban population however, depicts a different trend. It was 44.36% in 1961-1971, increased to 63.24% during 1981-1991 and again dipped to 35.80% in 1991-2001. Between 1981 and 2001, the urban population of Rajasthan Sub-region increased by 122%.

Table 4.10: Growth of Population in Rajasthan Sub-region i.e., entire Alwar District (1961-2001)

Year	Total		Rural		Urban	
	Population (Person)	Decadal Growth (%)	Population (Person)	Decadal Growth (%)	Population (Person)	Decadal Growth (%)
1	2	3	4	5	6	7
1961	11,00,372	--	10,12,480	--	87,892	--
1971	14,03,787	27.57	12,76,905	26.12	1,26,882	44.36
1981	17,71,173	26.17	15,74,972	23.34	1,96,201	54.63
1991	22,96,580	29.66	9,76,293	25.48	3,20,287	63.24
2001	29,92,592	30.31	25,57,653	29.42	4,34,939	35.80

Source: Census 1951, 1961, 1971, 1981, 1991 and 2001, Census of India

iv) Uttar Pradesh Sub-region

The districts of Meerut, Ghaziabad, Bulandshahr, Gautam Budh Nagar and Baghpat constitute the U.P. Sub-region. The newly created district of Gautam Budh Nagar has been carved out of Ghaziabad and Bulandshahr districts, and Baghpat district has been carved out of Meerut district.

Table 4.11 shows that as compared to NCT-Delhi, the UP Sub-region has been growing at a much lower rate, around 28-29% since 1981. The urban population, however, has grown at a much faster rate between 1971 and 1991, after which the growth rate declined to 48%. During the period 1981-2001, urban population of UP Sub-region increased by 137%.

Table 4.11: Growth of Population in Uttar Pradesh Sub-region (1961-2001)

Year	Total		Rural		Urban	
	Population (Person)	Decadal Growth (%)	Population (Person)	Decadal Growth (%)	Population (Person)	Decadal Growth (%)
1	2	3	4	5	6	7
1961	44,50,172	--	36,71,496	--	7,78,676	--
1971	54,40,296	22.25	43,51,826	18.53	10,88,470	39.78
1981	69,68,646	28.09	50,19,579	15.34	19,49,067	79.06
1991	90,01,704	29.17	58,84,092	17.22	31,17,612	59.95
2001	1,15,70,117	28.53	69,55,440	18.21	46,14,677	48.02

Source: Census 1961, 1971, 1981, 1991 and 2001, Census of India

4.2.3 Population Projection for 2021

The population projection for NCR for the year 2011 and 2021 is given in Table 4.12. The population of NCR is projected to be 641.38 lakhs by 2021. The share of NCT-Delhi is projected to be 234.87 lakhs

जब की हरियाणा उप-क्षेत्र: 160.16 लाख, राजस्थान उप-क्षेत्र: 48.06 लाख और उत्तर प्रदेश उप-क्षेत्र: 198.29 लाख आबादी होगी ।

एन.सी.टी.-दिल्ली की जनसंख्या रा. रा. क्षे. की जनसंख्या की तुलना में, यह आपेक्षित है कि जनसंख्या 2001 में 37.33% से घटकर 2011 में 37% हो जाएगी और उसके बाद 2021 में घटकर 36.62% हो जाएगा । हरियाणा उप-क्षेत्र के मामले में आबादी प्रतिशत लगातार बढ़ेगी जो 2001 में 23.42% से बढ़कर 2011 में 24.18% और 2021 में 24.97% हो जाएगी, जब कि उत्तर प्रदेश के मामले में, यह 2001 में 31.19% से थोड़ा सा घटकर 2021 में 30.92% हो जाएगी ।

सारणी 4.12: राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र और उप-क्षेत्र का आबादी अनुमान (लाख)

वर्ष	रा.रा. क्षे. कुल	एनसीटी- दिल्ली		हरियाणा		राजस्थान		उत्तर प्रदेश	
		जनसंख्या	कुल का %	जनसंख्या	कुल का %	जनसंख्या	कुल का %	जनसंख्या	कुल का %
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
2001	371.00	138.50	37.33	86.87	23.42	29.92	8.07	115.70	31.19
2011	486.19	179.90	37.00	117.55	24.18	37.91	7.80	150.83	31.02
2021	641.38	234.87	36.62	160.16	24.97	48.06	7.49	198.29	30.92

स्रोत: जनगणना 2001, भारत की जनगणना और नीति जोन, जनसंख्या और सेटलमेन्ट पैटर्न पर बनी अध्यन दल रिपोर्ट

4.3. सेटलमेन्ट पैटर्न

4.3.1 शहरी सेटलमेन्ट

क्षेत्र में शहरी सेटलमेन्ट की संख्या 1981 में 94 से बढ़कर 2001 में 108 हो गई । इनमें से, 17 श्रेणी-I शहर (दिल्ली महानगर सहित), 9 श्रेणी-II शहर, 26 श्रेणी-III, 39 श्रेणी-IV, 15 श्रेणी-V और 2 श्रेणी-VI शहर 2001 में थे (सारणी 4.13) । श्रेणी-I शहरों में क्षेत्र की कुल शहरी आबादी का 90% है । क्षेत्र की शेष 10% शहरी आबादी श्रेणी-II से लेकर श्रेणी-VI तक के 91 शहरों में बसी हैं, क्षेत्र की कुल शहरी आबादी की 62% अकेले दिल्ली शहरी समूह में ही बसी है। क्षेत्र में महानगर शहरों (अर्थात् 10 लाख आबादी से अधिक) की संख्या 1991 में एक (दिल्ली) से बढ़कर 2001 में 3 (दिल्ली, मेरठ व फरीदाबाद) हो गई है । लोनी शहर की जनसंख्या को मिलाकर गाजियाबाद की जनसंख्या 10 लाख तक पहुँच गई है ।

हरियाणा उप-क्षेत्र में 35, राजस्थान उप-क्षेत्र में 9 और उत्तर प्रदेश उप-क्षेत्र में 63 शहरी बस्तियां हैं । राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में एन.सी.टी.-दिल्ली से बाहर हरियाणा उप-क्षेत्र में श्रेणी-I के 8 शहरी केन्द्र हैं, राजस्थान उप-क्षेत्र में एक श्रेणी-I शहरी केन्द्र है और उत्तर प्रदेश उप-क्षेत्र में 7 श्रेणी-I शहरी केन्द्र हैं (मानचित्र 4.1 राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र: मौजूदा सेटलमेन्ट पैटर्न 2001) ।

सारणी 4.13: राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में शहरी सेटलमेन्ट (2001)

शहरी सेटलमेन्ट/ उप-क्षेत्र	श्रेणी-I	श्रेणी-II	श्रेणी-III	श्रेणी-IV	श्रेणी-V	श्रेणी-VI	कुल
	100,000 +	50,000-99,999	20,000- 49,999	10,000- 19,999	5,000- 9,999	5,000 से कम	
1	2	3	4	5	6	7	8
राजस्थान	1	0	4	3	1	0	9
उत्तर प्रदेश	7	9	16	22	8	1	63
हरियाणा	8	0	7	13	6	1	35
एन.सी.टी.-दिल्ली	1	0	0	0	0	0	1
रा.रा. क्षे.	17	9	27	38	15	2	108

स्रोत: जनगणना 2001, भारत की जनगणना

4.3.2 ग्रामीण सेटलमेन्ट

जनगणना 2001 के अनुसार राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में विभिन्न आकारों के 7,528 ग्रामीण बस्तियां (सेटलमेन्ट) थे । इनमें से, एन.सी.टी.- दिल्ली में 158, हरियाणा उप-क्षेत्र में 2,471, राजस्थान उप-क्षेत्र में 1,954 तथा उत्तर प्रदेश उप-क्षेत्र में 3,185 ग्रामीण बस्ती है। 2001 में राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में ग्रामीण क्षेत्रों में 162 लाख से अधिक व्यक्ति रह रहे थे, जो उसकी आबादी का लगभग 44% है ।

while that of Haryana Sub-region: 160.16 lakhs, Rajasthan Sub-region: 48.06 lakhs and UP Sub-region: 198.29 lakhs by 2021.

The percentage share of NCT-Delhi is expected to decrease from 37.33% in 2001 to 37% in 2011 and thereafter to 36.62% in 2021. In the case of Haryana Sub-region, the percentage share is projected to consistently increase from 23.42% in 2001 to 24.18% in 2011 and 24.97% in 2021, whereas in case of U.P., it may decline marginally from 31.19% in 2001 to 30.92% in 2021.

Table 4.12: Population projections of NCR and Sub-regions (in lakhs)

Year	NCR Total	NCT-Delhi		Haryana		Rajasthan		Uttar Pradesh	
		Population	% to total	Population	% to total	Population	% to total	Population	% to total
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
2001	371.00	138.50	37.33	86.87	23.42	29.92	8.07	115.70	31.19
2011	486.19	179.90	37.00	117.55	24.18	37.91	7.80	150.83	31.02
2021	641.38	234.87	36.62	160.16	24.97	48.06	7.49	198.29	30.92

Source: Census 2001, Census of India and Study Group Report on Policy zones, demography and settlement pattern

4.3 SETTLEMENT PATTERN

4.3.1 Urban Settlements

The number of urban settlements in the region increased from 94 in 1981 to 108 in 2001. Of these, there are 17 Class-I cities (including Delhi Metropolis), 9 Class-II towns, 26 Class-III, 39 Class-IV, 15 Class-V and 2 Class-VI towns in 2001 (refer Table 4.13). The Class-I cities accommodated more than 90% of the total urban population of the region. The rest 10% was distributed among 91 towns of Class-II to Class-VI. Delhi Urban Agglomeration alone accounted for about 62% of the total urban population of the region. The number of metropolitan cities (more than 10 lakhs) in the region increased from one (Delhi) in 1991 to three (Delhi, Meerut and Faridabad) in 2001. The population of Ghaziabad, taken together with the population of Loni town also reached the one million mark.

There are 35 urban settlements in Haryana Sub-region, 9 in Rajasthan Sub-region and 63 in Uttar Pradesh Sub-region. Outside NCT-Delhi in NCR, there are 8 Class-I urban centres in Haryana Sub-region, one Class-I urban centre in Rajasthan Sub-region and 7 Class-I urban centres in Uttar Pradesh Sub-region (refer Map 4.1 National Capital Region: Existing Settlement Pattern 2001).

Table 4.13: Urban Settlements in NCR (2001)

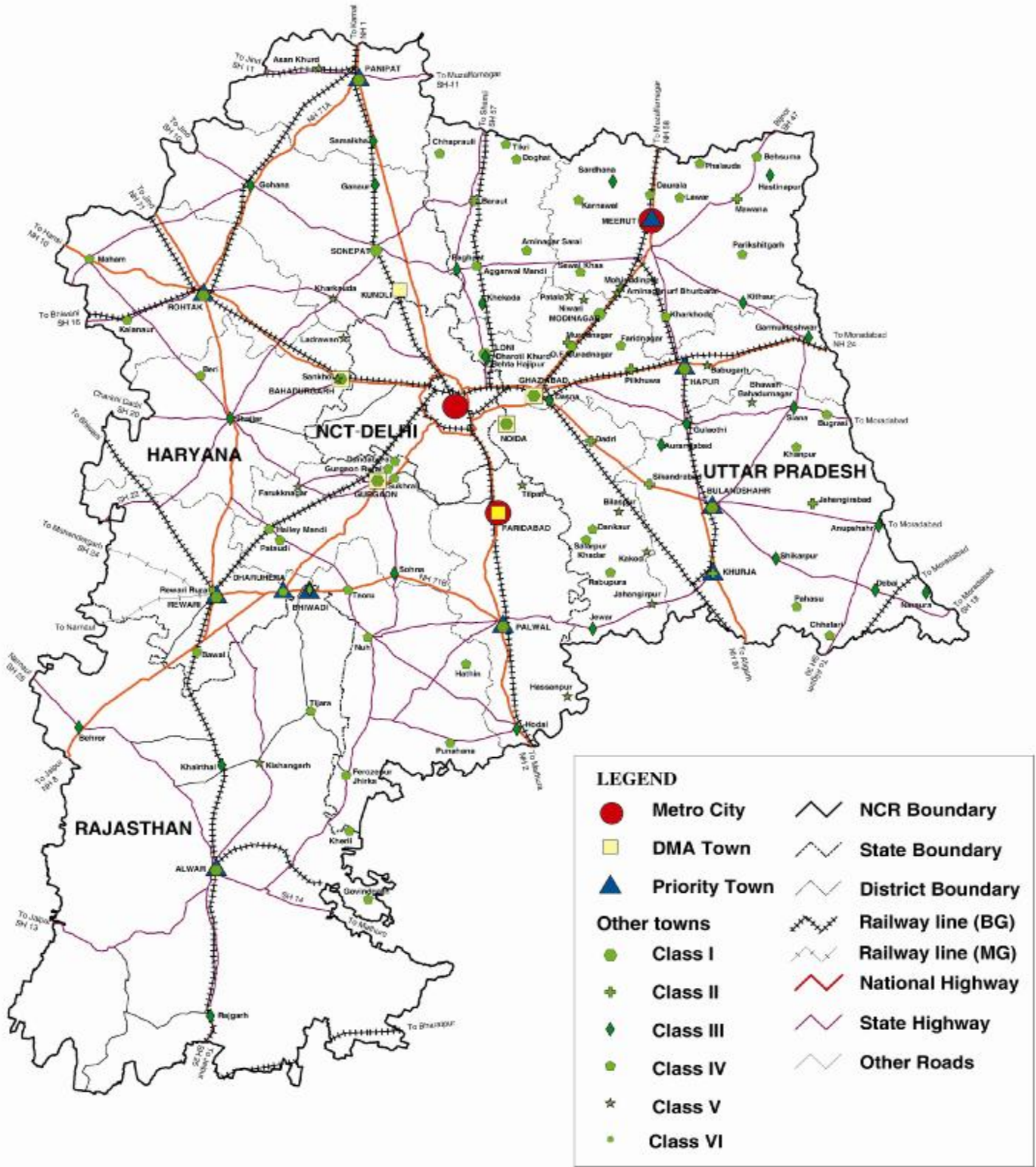
Urban Settlement /Sub-region	Class-I	Class-II	Class-III	Class-IV	Class-V	Class-VI	Total
	100,000 +	50,000-99,999	20,000- 49,999	10,000- 19,999	5,000- 9,999	Below 5,000	
1	2	3	4	5	6	7	8
Haryana	8	0	7	13	6	1	35
Rajasthan	1	0	4	3	1	0	9
Uttar Pradesh	7	9	16	22	8	1	63
NCT-Delhi	1	0	0	0	0	0	1
NCR	17	9	27	38	15	2	108

Source: Census 2001, Census of India

4.3.2 Rural Settlements

According to the Census 2001, there are 7,528 rural settlements of various sizes in the National Capital Region. Of these, 158 were in NCT of Delhi, 2,471 in Haryana, 1,954 in Rajasthan and 3,185 in Uttar Pradesh Sub-regions. More than 162 lakhs persons lived in rural areas in NCR in 2001, accounting for about 44% of its population.

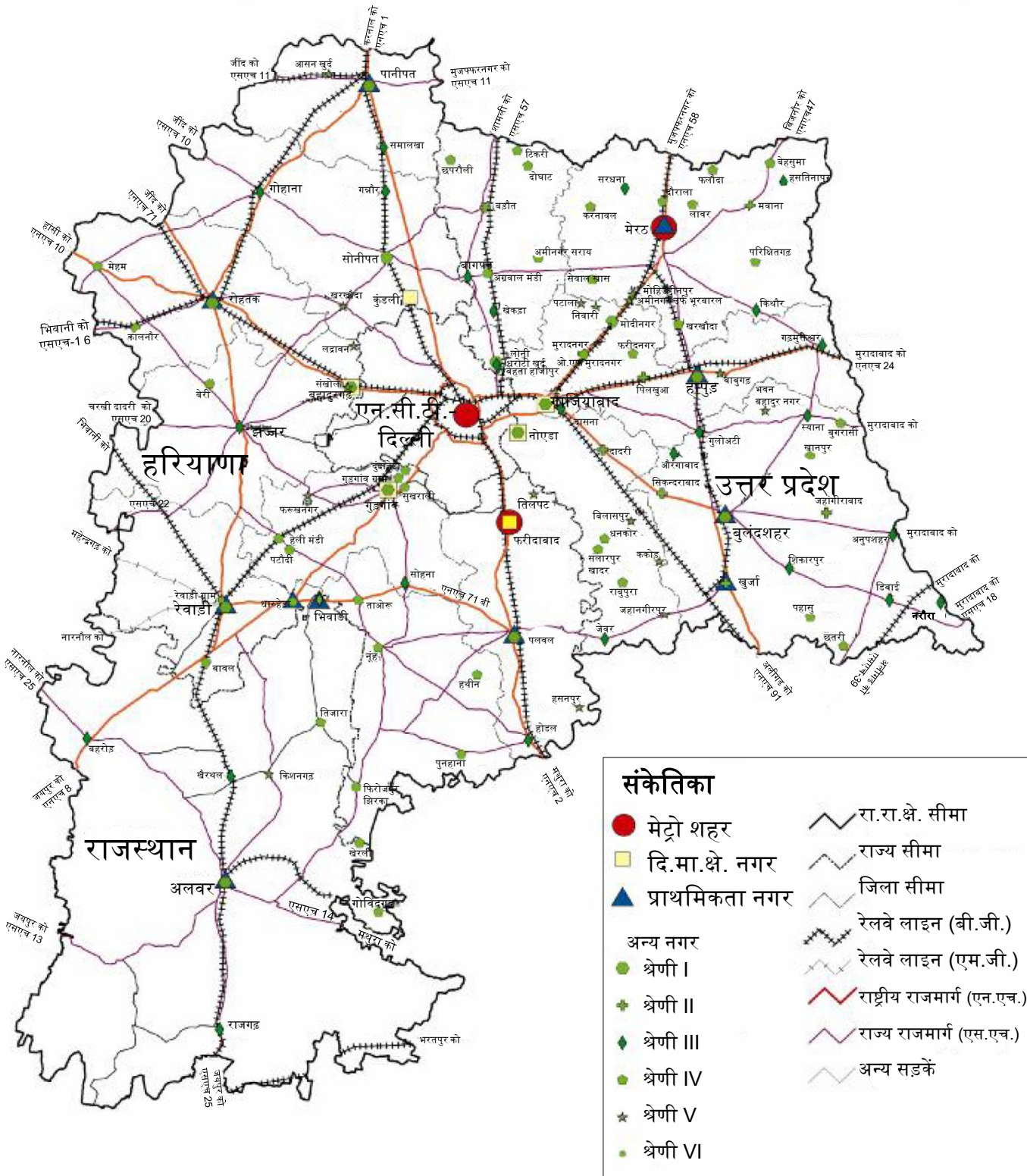
NATIONAL CAPITAL REGION EXISTING SETTLEMENT PATTERN 2001



Source: NRSA Study

NATIONAL CAPITAL REGION PLANNING BOARD
MAP 4.1

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र मौजूदा सैटलमेंट पैटर्न 2001



संकेतिका

	मेट्रो शहर		रा.रा.क्षे. सीमा
	दि.मा.क्षे. नगर		राज्य सीमा
	प्राथमिकता नगर		जिला सीमा
	अन्य नगर		रेलवे लाइन (बी.जी.)
	श्रेणी I		रेलवे लाइन (एम.जी.)
	श्रेणी II		राष्ट्रीय राजमार्ग (एन.एच.)
	श्रेणी III		राज्य राजमार्ग (एस.एच.)
	श्रेणी IV		अन्य सड़कें
	श्रेणी V		
	श्रेणी VI		

स्रोत - एनआरएसए अध्ययन

0 5 10 20 30 40 50 कि.मी.

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्रीय योजना बोर्ड
मानचित्र 4.1

4.3.3 केन्द्रीय रा.रा.क्षे. (पूर्ववर्ती दिल्ली महानगर क्षेत्र) तथा प्राथमिकता नगर

क्षेत्रीय योजना-2001 में उच्चतम क्रम के बस्तियों में राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में एन.सी.टी.-दिल्ली से बाहर छह के.रा.रा.क्षे. नगरों तथा ग्यारह प्राथमिकता नगरों/क्षेत्रीय केन्द्रों की पहचान की गई थी। के.रा.रा.क्षे. नगरों की आबादी बढ़कर 37 लाख होनी थी लेकिन जनगणना 2001 के अनुसार यह वास्तव में बढ़कर केवल 28.11 लाख हुई। इन छह नगरों में, गाजियाबाद और फरीदाबाद अपनी लक्षित आबादी तक पहुंचे, शेष के.रा.रा.क्षे. नगर अपने लक्ष्य तक नहीं पहुंच पाए। वास्तव में, कुण्डली, जिसे विकसित होकर 1.5 लाख आबादी वाला बनना था, वह लक्षित आबादी से बहुत पीछे रह गया। प्राथमिकता नगरों के मामले में, जिन्हें दिल्ली से 20 लाख आबादी को विस्थापित करना था और कुल 49 लाख आबादी का लक्ष्य पाना था, वे असल में मुश्किल से केवल 28.17 लाख आबादी लक्ष्य प्राप्त कर सके जो कि अनुमान आधारित आंकड़ों के अनुसार है।

सारणी 4.14 से स्पष्ट है कि प्राथमिकता नगरों में से मेरठ, पानीपत तथा रेवाड़ी ने अपनी लक्षित आबादी का 70% या इस से अधिक आबादी हासिल की है जबकि शेष नगर लक्ष्य से काफी पीछे रहे हैं। वास्तव में, समग्र स्थिति से स्पष्ट है कि क्षेत्रीय योजना-2001 में जैसा प्रस्तावित था, उसकी तुलना में अभिप्ररित जनसंख्या में कुछ वृद्धि भी नहीं हुई।

4.3.4 नीति से संबंधित मुद्दे

क्षेत्रीय योजना-2001 की समीक्षा तथा जनगणना 2001 के परिणामों से पता चलता है कि पहले की प्रवृत्ति में कोई खास परिवर्तन नहीं हुआ है। दिल्ली महा योजना (एम.पी.डी.)-1962 तथा बाद की योजनाओं में, निर्धारित नियंत्रणों के बावजूद दिल्ली की आबादी में लगातार वृद्धि दर्ज की गई, हर बार वास्तविक आबादी निर्धारित या लक्षित आबादी से अधिक पाई गई। राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र विकसित हुआ है, यद्यपि इसमें स्थानिक विरूपता है क्योंकि दिल्ली से जुड़े केवल कुछ ही दिल्ली महानगर क्षेत्र के नगरों (गाजियाबाद, नोएडा, फरीदाबाद तथा गुडगांव) और कुछ प्राथमिकता नगरों (मेरठ तथा रेवाड़ी) का विकास हुआ है।

सारणी 4.14: क्षेत्रीय योजना-2001 में एन.सी.टी.-दिल्ली, के.रा.रा.क्षे. और प्राथमिकता नगरों की लक्षित आबादी तथा निर्धारित आबादी का विश्लेषण

नगर का नाम	आबादी (व्यक्ति)			दशक वृद्धि (%)		क्षेत्रीय योजना-2001 में लक्षित आबादी (व्यक्ति)	लक्षित आबादी % के रूप में वास्तविक आबादी (लाख)
	1981	1991	2001	1981-1991	1991-2001		
1	2	3	4	5	6	7	8
रा.रा.क्षे.	1,90,18,909	2,64,46,180	3,71,00,266	39.05	40.29	3,25,00,000	114.15
एन.सी.टी.-दिल्ली	62,20,406	94,20,644	1,38,50,507	51.45	47.02	1,12,00,000	123.67
रा.रा.क्षे. एन.सी.टी.-दिल्ली छोड़कर	1,27,98,503	1,70,25,536	2,32,49,759	33.03	36.56	2,13,00,000	109.15
केन्द्रीय राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (दिल्ली महानगर क्षेत्र) के नगर							
बहादुरगढ़	37,488	57,235	1,31,925	52.68	130.50	2,00,000	65.96
फरीदाबाद	3,30,864	6,17,717	10,55,938	86.70	70.94	10,00,000	105.59
गुडगांव	1,00,877	1,35,884	2,28,820	34.70	68.39	7,00,000	32.69
गाजियाबाद, लोनी सहित	2,97,429	5,48,320	10,89,201	84.35	98.64	11,00,000	99.02
नोएडा	37,000	1,46,514	3,05,058	295.98	108.21	5,50,000	55.47
कौंडली	--	--	--	--	--	1,50,000	--
कुल	8,03,658	15,05,670	28,10,942	87.35	86.69	37,00,000	75.97
क्षेत्रीय केन्द्र/प्राथमिकता नगर							
पानीपत	1,37,927	1,91,212	3,54,148	38.63	85.21	5,00,000	70.83
रोहतक	1,66,767	2,16,096	2,94,577	29.58	36.32	5,00,000	58.92
पलवल	47,328	59,168	1,00,722	25.02	70.23	3,00,000	33.57
रेवाड़ी	51,562	75,342	1,00,684	46.12	33.64	1,10,000	91.53
धारुहेरा	5,266	10,848	18,892	106.00	74.15	75,000	25.19
मेरठ	5,36,615	8,49,799	11,61,716	58.36	36.70	15,50,000	74.95
हापुड़	1,02,837	1,46,262	2,11,983	42.23	44.93	4,50,000	47.11
बुलंदशहर	1,03,436	1,27,201	1,76,425	22.98	38.70	5,00,000	35.29
खुर्जा	67,119	80,305	98,610	19.65	22.79	3,00,000	32.87
अलवर	1,45,795	2,10,146	2,66,203	44.14	26.68	5,00,000	53.24
भिवाड़ी	1,729	15,285	33,877	784.04	121.64	1,15,000	29.46
कुल	13,66,381	19,81,664	28,17,837	45.03	42.20	49,00,000	57.51

स्रोत: जनगणना 2001, भारत की जनगणना और रा.रा.क्षे. की क्षेत्रीय योजना-2001

4.3.3 Central NCR (earlier DMA) and Priority Towns

The highest order settlements identified in the Regional Plan-2001 were six CNCR towns and eleven Priority Towns/Regional Centres outside NCT-Delhi in NCR. The CNCR towns were envisaged to grow to 37 lakhs against which they actually grew to 28.11 lakhs as per the Census 2001. Of these six towns, the towns of Ghaziabad and Faridabad reached their targeted population, the rest of the CNCR towns could not achieve their target. In fact, Kundli, which was proposed to be developed into a town of 1.5 lakhs, has hardly taken off. In the case of Priority Towns, which were assigned to accommodate 20 lakhs deflected population from Delhi and achieve a total population of 49 lakhs, actually attained a population of hardly 28.17 lakhs, their trend based projected figure.

Table 4.14 indicates that the Priority towns of Meerut, Panipat and Rewari achieved 70% or more of their targeted population while the rest remained much below the assignments. In fact, the overall situation indicates insignificant induced population growth as proposed in Regional Plan-2001.

4.3.4 Policy Issues

The review of the Regional Plan-2001 as well as the results of the Census 2001 has shown that there had not been any perceptible change in the earlier trends. Delhi continued to grow in spite of curbs prescribed in the Master Plan for Delhi (MPD)-1962 and subsequent Plans, the actual population overshooting the assigned or targeted population every time. The National Capital Region has developed, though with a spatial distortion in the sense that only some of the DMA towns adjoining Delhi (Ghaziabad, Noida, Faridabad and Gurgaon) and some of the Priority towns (Meerut and Rewari) have developed.

Table 4.14: Analysis of the Assigned Population Regional Plan-2001 and Actual Population 2001 of NCT-Delhi, CNCR and Priority Towns

Name of Town	Population (Person)			Decadal Growth (%)		Assigned Population in Regional Plan-2001 (Person)	Actual Population as % of Assigned Population (Lakhs)
	1981	1991	2001	1981-1991	1991-2001		
1	2	3	4	5	6	7	8
NCR	1,90,18,909	2,64,46,180	3,71,00,266	39.05	40.29	3,25,00,000	114.15
NCT-Delhi	62,20,406	94,20,644	1,38,50,507	51.45	47.02	1,12,00,000	123.67
NCR excluding NCT-Delhi	1,27,98,503	1,70,25,536	2,32,49,759	33.03	36.56	2,13,00,000	109.15
CNCR (DMA) Towns							
1. Bahadurgarh	37,488	57,235	1,31,925	52.68	130.50	2,00,000	65.96
2. Faridabad	3,30,864	6,17,717	10,55,938	86.70	70.94	10,00,000	105.59
3. Gurgaon	1,00,877	1,35,884	2,28,820	34.70	68.39	7,00,000	32.69
4. Ghaziabad incl. Loni	2,97,429	5,48,320	10,89,201	84.35	98.64	11,00,000	99.02
5. NOIDA	37,000	1,46,514	3,05,058	295.98	108.21	5,50,000	55.47
6. Kundli	-	-	-	-	-	1,50,000	-
7. Total	8,03,658	15,05,670	28,10,942	87.35	86.69	37,00,000	75.97
Regional Centres/Priority Towns							
1. Panipat	1,37,927	1,91,212	3,54,148	38.63	85.21	5,00,000	70.83
2. Rohtak	1,66,767	2,16,096	2,94,577	29.58	36.32	5,00,000	58.92
3. Palwal	47,328	59,168	1,00,722	25.02	70.23	3,00,000	33.57
4. Rewari	51,562	75,342	1,00,684	46.12	33.64	1,10,000	91.53
5. Dharuhera	5,266	10,848	18,892	106.00	74.15	75,000	25.19
6. Meerut	5,36,615	8,49,799	11,61,716	58.36	36.70	15,50,000	74.95
7. Hapur	1,02,837	1,46,262	2,11,983	42.23	44.93	4,50,000	47.11
8. Bulandshahr	1,03,436	1,27,201	1,76,425	22.98	38.70	5,00,000	35.29
9. Khurja	67,119	80,305	98,610	19.65	22.79	3,00,000	32.87
10. Alwar	1,45,795	2,10,146	2,66,203	44.14	26.68	5,00,000	53.24
11. Bhiwadi	1,729	15,285	33,877	784.04	121.64	1,15,000	29.46
Total	13,66,381	19,81,664	28,17,837	45.03	42.20	49,00,000	57.51

Source: Source: Census 1981, 1991 and 2001, Census of India and Regional Plan-2001 of NCR

4.3.5 सेटलमेन्ट प्रणाली के विकास की कार्यनीतियां

सेटलमेन्ट प्रणाली के विकास के लिए कार्यनीतियां दिल्ली की वृद्धि दर को संभालने तथा क्षेत्र में शहरी तथा ग्रामीण प्रकार्यों को एकीकृत करने की होगी। इनकी प्राप्ति के लिए केन्द्रीय स्थानों की सामंजस्य युक्त प्रणाली तैयार करनी होगी जो परस्पर सहायक होंगे और साथ ही आवश्यक प्रकार्यों को ग्रामीण आबादी की वास्तविक पहुँच में लाने से होगी। इन लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए निम्नलिखित कदम प्रस्तावित किए गए हैं:

- I. सुनियोजित क्षेत्रीय सेटलमेन्ट प्रणाली का विकास जिसके तहत दिल्ली और क्षेत्र के अन्य नगरों को उनकी क्षमता तथा विकास की संभावना की हद, जिसका निर्धारण उनकी विकास/योजना अभिकरण करेंगी तथा सभी प्रकार की बस्तियों के लिए समग्र नीति तैयार करेंगी। राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र के विकास में प्रभावी भूमिका हेतु, एक उत्प्रेरक के रूप में कार्य करने के लिए यह प्रस्ताव है कि चार या पाँच मेट्रो केन्द्रों अथवा क्षेत्रीय केन्द्रों अथवा कोई अन्य उपयुक्त नगर क्षेत्रों का पता लगाया जाये ताकि अधिक से अधिक निवेश तथा रोजगार सृजन, उच्च गुणवत्ता वाले अवसंरचना की स्थापना, कारगर परिवहन एवं संचार व्यवस्था, उच्च कोटि के आवासीय क्षेत्रों, औद्योगिक और वाणिज्यिक केन्द्रों के निर्माण से इसका विकास किया जाये। इन प्रस्तावित नये नगर क्षेत्रों के लिए संभावित स्थान महत्वपूर्ण परिवहन मार्गों, प्रस्तावित द्रुतमार्गों, परिक्रमा करते रेल मार्गों के साथ-साथ अन्य अप्रयुक्त एवं उपयुक्त अन छुई भूमि पर होगा।
- II. क्षेत्र में छोटे और मझौले नगरों का विकास चूंकि ये उप-क्षेत्रीय केन्द्र अथवा सेवा केन्द्र हैं। यह नगर शिक्षा एवं स्वास्थ्य सुविधाओं, कृषि संबंधी सेवाओं और स्थानीय उत्पादों से जुड़े कृषि उद्योगों की सुलभ करवाकर अपने ग्रामीण इलाकों में सामाजिक-आर्थिक विकास को सहायता देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएँगे।
- III. उपयुक्त अनुक्रम में वे सुविधाएं और सेवाएं मुहैया करके ग्रामीण विकास प्रोत्साहित किया जाएगा जिनसे उत्पादन में सहायता मिलती है, और ग्रामीण आबादी की आय में वृद्धि होती है, अर्थव्यवस्था में विविधता आती है, रहने और कार्य करने की दृष्टि से गांव आकर्षित बनते हैं तथा केन्द्रों की ओर प्रवास पर रोक लगाते हैं।

4.3.6 बस्तियों का प्रस्तावित अनुक्रम

क्षेत्रीय योजना-2001 में चार-स्तरीय बस्ती व्यवस्था का प्रस्ताव रखा गया था, अर्थात् क्षेत्रीय केन्द्र, उप-क्षेत्रीय केन्द्र, सेवा केन्द्र और सामान्य गांव। क्षेत्र के परिवर्तनशील जनसांख्यिकीय परिदृश्य को ध्यान में रखते हुए, बस्तियों की श्रेणियां बढ़ाई गई हैं, नामों और प्रकार्यात्मक वर्गीकरण में कुछ परिवर्तन प्रस्तावित किए गए हैं। अब से, क्षेत्रीय योजना-2021 में निम्नलिखित छह-स्तरीय बस्ती अनुक्रम का प्रस्ताव रखा गया है :

सारणी 4.15: बस्तियों का प्रस्तावित छह-स्तरीय अनुक्रम

क्र.सं.	अनुक्रम स्तर	आबादी श्रेणी
1	2	3
1.	मेट्रो केन्द्र	10 लाख और उससे अधिक
2.	क्षेत्रीय केन्द्र	3 से 10 लाख
3.	उप-क्षेत्रीय केन्द्र	0.5 से 3 लाख
4.	सेवा केन्द्र	10,000 से 50,000
5.	केन्द्रीय गांव	5,000 से 10,000
6.	सामान्य गांव	5,000 से कम

क) मेट्रो केन्द्र

जनगणना 2001 के अनुसार, दिल्ली के बाहर रा.रा.क्षे. में तीन नगरों/परिसर, नामतः गाजियाबाद-लोनी परिसर, फरीदाबाद-बल्लभगढ़ परिसर और मेरठ पहले ही 10 लाख आबादी सीमा पार कर चुके हैं। इसके अतिरिक्त, भागीदारी राज्यों ने अपने-अपने उप-क्षेत्रों में 10 लाख से अधिक आबादी के लिए कई अन्य शहरी केन्द्रों की योजना बनाई है। जिन नगरों में 2021 तक 10 लाख से अधिक आबादी की संकल्पना/योजनाबद्ध की गई है वे निम्नलिखित हैं।

4.3.5 Strategies for Development of Settlement System

Strategies for the development of settlement system would be to harness the growth impulse of Delhi and to integrate the urban and rural functions in the region. These would be attained by means of a more balanced and mutually reinforcing system of central places and bringing a series of necessary functions to the actual reach of the rural population. Following steps are proposed to achieve these objectives:

- I. Development of a well-knit regional settlement system where Delhi and other towns in the region would be allowed to grow within their carrying capacity and development potential as may be determined by their development/planning agencies and to formulate an overall policy for all types of settlements. In order to make a significant impact and work as a catalyst for development in the National Capital Region, it is proposed to identify four or five Metro Centres or Regional Centres or any other suitable township for development by attracting investment and generation of employment, creation of high-quality infrastructure, robust transport and communication linkages, high-quality residential areas, industrial and commercial complexes. The proposed new townships would be nodes along the key transport corridors, proposed expressways, orbital rail corridors and other suitable locations on virgin land.
- II. Development of small and medium towns in the region as they are Sub-regional centres or service centres. These towns would play an important role in supporting the socio-economic development in their rural hinterland by providing access to education and health facilities, agricultural extension services and agro- industries based on local products.
- III. Rural development would be encouraged by providing facilities and services in appropriate hierarchy which stimulates production and increases income of the rural population, diversify the economy, make villages attractive to live and work and check migration to urban centres.

4.3.6 Proposed Hierarchy of Settlements

Regional Plan-2001 had proposed a four-tier settlement system i.e., Regional Centres, Sub-regional Centres, Service Centres and Basic Villages. Keeping in view the changing demographic scenario of the region, additional categories of settlements have been added and some changes in the nomenclature and functional classification of other settlements are proposed. Henceforth, the following six-tier hierarchy of settlements is proposed in the Regional Plan-2021:

Table 4.15: Proposed Six-Tier Hierarchy of Settlements

S. No.	Hierarchical Level	Population Range
1	2	3
1.	Metro Centre	10 lakhs and above
2.	Regional Centre	3 to 10 lakhs
3.	Sub-regional Centre	0.5 to 3 lakhs
4.	Service Centre	10,000 to 50,000
5.	Central Village	5,000 to 10,000
6.	Basic Village	Below 5,000

a) Metro Centre

As per the Census 2001, in NCR outside Delhi already three towns/complexes namely Ghaziabad-Loni complex, Faridabad-Ballabgarh complex and Meerut have crossed the one million population mark. In addition, the participating States have planned quite a few other Urban Centres for more than a million population in their respective Sub-regions. The towns envisaged/planned to have more than one million population by 2021 are as under.

सारणी 4.16: प्रस्तावित मेट्रो केन्द्र (2021)

क्र.सं.	शहर/परिसर	प्रस्तावित आबादी (लाख में)	
		2011	2021
1	2	3	4
1	फरीदाबाद-बल्लभगढ़	16.00	25.00
2	गुडगांव-मानेसर	4.50	16.50
3	गाजियाबाद-लोनी	19.00	30.19
4	नोएडा	6.00	12.00
5	सोनीपत-कुंडली	3.50	10.00
6	बृहत नोयडा	7.00	12.00
7	मेरठ	15.00	22.00
	कुल	71.00	127.69

यह बस्तियां पूंजीगत प्रकार्यो तथा गतिविधियों को आकर्षित करने के लिए सशक्त विकास स्थलों के रूप में कार्य कर सकती हैं और राष्ट्रीय राजधानी से आबादी विस्थापित करने में सहायक हो सकती हैं। उनके विशिष्ट प्रकार्यात्मक स्थान तथा आकार के कारण इन नगरों/परिसरों में राजधानी से बेहतर और उच्च स्तरीय भौतिक, सामाजिक और आर्थिक अवसंरचना विकसित करने की आवश्यकता है। इसमें बेहतर अंतः शहरी जन परिवहन प्रणाली के साथ ही दिल्ली, अन्य मेट्रो केन्द्रों और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र नगरों के साथ प्रभावी परिवहन और संचार संपर्क सूत्र शामिल होंगे। संबंधित भागीदारी राज्यों और उनकी अभिकरणों द्वारा स्वयं ही इन मेट्रो केन्द्रों में आवश्यक अवसंरचना स्थापना तैयार करना ही अपेक्षित नहीं होगा बल्कि उसमें निजी क्षेत्र का निवेश को सुलभ करना होगा।

ख) क्षेत्रीय केन्द्र

यह राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में सुस्थापित शहर होगा जिसमें अत्यधिक विशेषज्ञता प्राप्त द्वितीयक और तृतीयक क्षेत्र की गतिविधियां उपलब्ध होंगी तथा रोजगार के अवसर प्राप्त होंगे जो अन्य निचले स्तर के केन्द्रों में सामान्यतः उपलब्ध नहीं कराए जा सकते हैं। इन केन्द्रों को आधुनिक औद्योगिक तथा अन्य आर्थिक गतिविधियों के लिए विकसित किया जाएगा और इनमें प्रशासनिक तथा उच्च स्तरीय सेवाओं का आधिक्य होगा, जिनसे निवेश की संभावनाओं पर सक्रिय प्रभाव पड़ेगा तथा निवास और प्रकार्य की परिस्थितियां अनुकूल बनेंगी। योजना में प्रस्तावित क्षेत्रीय केन्द्र निम्नलिखित है :

सारणी 4.17: प्रस्तावित क्षेत्रीय केन्द्र (2021)

क्र.सं.	क्षेत्रीय केन्द्र/परिसर	प्रस्तावित आबादी (लाख में)	
		2011	2021
1	2	3	4
1	बहादुरगढ़	2.00	3.00
2	पानीपत	5.00	7.00
3	रोहतक	4.20	6.00
4	पलवल	1.70	4.00
5	रेवाड़ी-धारुहेड़ा-बावल	2.00	4.00
6	हापुड़-पिलखुआ	3.00	4.50
7	बुलंदशहर-खुर्जा	3.70	4.77
8	बागपत-बरोत	1.60	3.00
9	अलवर	3.40	4.50
10	बृहत भिवाड़ी	1.00	3.00
11	शाहजहांपुर-नीमराना-बेहरोर	1.00	3.00
	कुल	28.60	46.77

कुछ एक मेट्रो और क्षेत्रीय केन्द्र के.रा.रा.क्षे. में स्थित हैं जबकि अन्य केन्द्र शेष राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में स्थित हैं। केन्द्रीय राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र और के.रा.रा.क्षे. से बाहर राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में स्थित मेट्रो/क्षेत्रीय केन्द्र निम्नलिखित है:

केन्द्रीय राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में मेट्रो और क्षेत्रीय केन्द्र

1. गाजियाबाद-लोनी परिसर

Table 4.16: Proposed Metro Centres (2021)

S. No.	City/Complex	Proposed Population (in Lakhs)	
		2011	2021
1	2	3	4
1.	Faridabad-Ballabgarh	16.00	25.00
2.	Gurgaon-Manesar	4.50	16.50
3.	Ghaziabad-Loni	19.00	30.19
4.	NOIDA	6.00	12.00
5.	Sonepat-Kundli	3.50	10.00
6.	Greater NOIDA	7.00	12.00
7.	Meerut	15.00	22.00
	Total	71.00	127.69

These settlements can act as powerful growth nodes to attract capital functions and activities and help in population dispersal from the national Capital. Because of their special functional status and size, a very high level of physical, social and economic infrastructure better than that in the Capital is required to be developed within these towns/complexes. This would include efficient intra-urban mass transportation system as well as strong transport and communication linkages with Delhi, other Metro Centres and NCR towns. The respective participating States and their agencies would not only be required to create the necessary infrastructure themselves in these Metro Centres but also facilitate the private sector investment therein.

b) Regional Centre

It is the well-established urban centre in the region, marked by highly specialized secondary and tertiary sector activities and providing job opportunities, which normally cannot be performed by other lower order centres. These centres will be developed for advanced industrial and other economic activities and will have concentration of administrative and higher order service functions, which are expected to exert an increasingly dynamic influence on attraction of investment and creation of conducive living and working environment. The Regional Centres proposed in the Plan are as under:

Table 4.17: Proposed Regional Centres (2021)

S. No.	Regional Centre/Complex	Proposed Population (in Lakhs)	
		2011	2021
1	2	3	4
1.	Bahadurgarh	2.00	3.00
2.	Panipat	5.00	7.00
3.	Rohtak	4.20	6.00
4.	Palwal	1.70	4.00
5.	Rewari-Dharuhera-Bawal	2.00	4.00
6.	Hapur-Pilkhua	3.00	4.50
7.	Bulandshahr-Khurja	3.70	4.77
8.	Baghpat-Baraut	1.60	3.00
9.	Alwar	3.40	4.50
10.	Greater Bhiwadi	1.00	3.00
11.	Shahjahanpur-Neemrana-Behrur	1.00	3.00
	Total	28.60	46.77

Some of the Metro and Regional Centres are in CNCR while others are in the rest of the NCR. Metro/Regional Centres in CNCR and NCR outside CNCR are as follows:

Metro and Regional Centres in Central NCR

1. Ghaziabad-Loni complex

2. नोएडा
3. फरीदाबाद- बल्लभगढ़ परिसर
4. गुडगांव-मानेसर परिसर
5. सोनीपत-कुंडली परिसर
6. बहादुरगढ़

केन्द्रीय राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र के बाहर राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में स्थित मेट्रो और क्षेत्रीय केन्द्र

1. मेरठ
2. हापुड़-पिलखुआ परिसर
3. बृहत नोएडा
4. बुलंदशहर-खुर्जा परिसर
5. बागपत-बरोत परिसर
6. पानीपत
7. रोहतक
8. पलवल
9. रेवाड़ी-धारुहेड़ा-बावल परिसर
10. अलवर
11. बृहत भिवाड़ी
12. शाहजहांपुर-नीमराना-बेहरोर परिसर

इस योजना में शेष अनुक्रमिक केन्द्रों के प्रकार्यात्मक गठन का बहुत संक्षिप्त विवरण है चूंकि उनकी पहचान और उनकी भूमिका का ब्यौरा उप-क्षेत्रीय योजनाओं में दिया जाएगा ।

ग) उप-क्षेत्रीय केन्द्र

उप-क्षेत्रीय केन्द्र सामान्यतः कोई मझौला नगर अथवा मध्यस्थ शहर होगा जिसकी विविध भूमिका रहेगी, विशेष रूप से ग्रामीण विकास का संवर्धन और उसमें सहायता, शहरी आबादी का अधिक संतुलित फैलाव और छोटे कस्बों व क्षेत्रीय/मेट्रो केन्द्रों के बीच प्रकार्यात्मक संपर्क उपलब्ध कराना । उप-क्षेत्रीय केन्द्रों को शहरी अर्थव्यवस्था एवं सेवा संबंधी कार्य सौंपने और उनमें अवसंरचना जैसे परिवहन, बिजली व पानी, क्रेडिट बैंकिंग, मार्केटिंग, प्रबंधन सेवाओं आदि की व्यवस्था करने का प्रस्ताव है।

घ) सेवा केन्द्र

सेवा केन्द्र किसी छोटे नगर अथवा बड़े गाँव को बनाया जाएगा जिसका अपने निकटस्थ ग्रामीण इलाकों से संपर्क सूत्र जुड़ा होगा । यह केन्द्र ग्रामीण इलाकों के लिए कृषि उत्पादों एवं सेवाओं के संग्रह और वितरण के लिए संसाधन, मार्केटिंग, गोदाम और भंडारण सुविधाओं सहित कृषि सेवा केन्द्र के रूप में कार्य करेंगे ।

ङ) केन्द्रीय गांव

केन्द्रीय गांव उच्च अनुक्रम गांव मध्यस्थित होगा जो अपने आवाह क्षेत्र के पास स्थित होगा और जिसमें विकास की संभावना होगी तथा जिसमें शिक्षा, स्वास्थ्य, संचार, पहुँच की दृष्टि से अपेक्षाकृत बेहतर सेवाएं और सुविधाएं उपलब्ध होंगी तथा जो मूल गांवों के समूह की जरूरतें पूरी कर सके । इस केन्द्र द्वारा कृषि और अन्य प्राथमिक गतिविधियों में मशगूल जनता को बुनियादी सामाजिक सुविधाएँ मुहैया कराने का प्रस्ताव है ।

च) मूल गांव

जनगणना के अनुसार 5000 से कम आबादी वाले सभी अन्य गांवों का वर्गीकरण मूल गांव किया गया है जिनका संपर्क सड़कें, जल आपूर्ति और बिजली, पक्की सड़कें और कम लागत सांझी सफाई सुविधाओं के साथ-साथ योजना मानकों के अनुसार न्यूनतम आवश्यक सामाजिक अवसंरचना मुहैया कराई जाएगी ।

2. NOIDA
3. Faridabad-Ballabgarh complex
4. Gurgaon-Manesar complex
5. Sonapat-Kundli complex
6. Bahadurgarh

Metro and Regional Centres outside Central NCR within NCR

1. Meerut
2. Hapur-Pilkhua complex
3. Greater NOIDA
4. Bulandshahr-Khurja complex
5. Baghpat-Baraut complex
6. Panipat
7. Rohtak
8. Palwal
9. Rewari-Dharuhera-Bawal complex
10. Alwar
11. Greater Bhiwadi
12. Shahjahanpur-Neemrana-Behror complex

The functional composition of the remaining hierarchical centres is being dealt with very briefly in this Plan, since their identification and role would be spelt out in the Sub-regional Plans.

c) Sub-regional Centre

The Sub-regional Centre shall generally be a medium sized town or intermediate city performing a variety of roles, particularly in promoting and supporting rural development, in achieving a more balanced distribution of urban population and in providing functional linkages between the smaller towns and Regional/Metro Centres. The Sub-regional Centres are proposed to undertake the urban economic and service functions and provide for infrastructure like transport, power, water, credit banking, marketing, managerial services etc.

d) Service Centre

The Service Centre shall be a small town or a large village having linkages with immediate rural hinterlands. These centres would cater to the rural hinterland as agro-service centre in the collection and distribution of agricultural goods and services with processing, marketing, warehousing and storage facilities.

e) Central Village

The Central Village is the higher order village having central location and potential for development within its catchment area, with relatively better services and facilities in terms of education, health, communication, accessibility and has the capacity to serve a group of Basic Villages. This centre is proposed to provide basic social facilities for population engaged in agriculture and other primary activities.

f) Basic Village

All other Census villages with a population of less than 5,000 have been classified as Basic Villages and would be provided with basic facilities like link roads, water supply and electricity, paved streets and low-cost common sanitary facilities as well as the minimum required social infrastructure as per planning norms.

4.4 जनसंख्या का निर्धारण

4.4.1 रा.रा.क्षे. में जनसंख्या का निर्धारण

जनसंख्या संबंधी पूर्वानुमानों के अनुसार 2021 तक राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र की कुल जनसंख्या अनुमानतः 641.38 लाख होगी, जिसे क्षेत्र में ही समाहित करने का प्रस्ताव है।

4.4.2 एन.सी.टी.-दिल्ली उप-क्षेत्र

एन.सी.टी.-दिल्ली की जनसंख्या का तीन भिन्न-भिन्न प्रणालियों, जैसा कि निम्नलिखित सारणी में दिखाया गया है, के अनुसार 2011 और 2021 के लिए अनुमान लगाया गया है। वर्ष 2021 के पूर्वानुमानित आंकड़े 224.39 से 324.96 लाख के बीच हैं।

सारणी 4.18: विभिन्न प्रणालियों द्वारा परिकलित एन.सी.टी.-दिल्ली के जनसंख्या संबंधी पूर्वानुमान

पद्धति	पूर्वानुमान (व्यक्ति)	
	2011	2021
1	2	3
धातीय वृद्धि दर	1,79,90,327	2,34,86,698
वाटर्स II फारमूला	2,05,78,059	3,24,96,135
अनुपात पद्धति	1,67,24,398	2,24,39,532

तथापि, 2021 के लिए आबादी का इष्टतम अनुमान 234.87 लाख है। इस योजना के लिए निर्धारित नीति घटकों को ध्यान में रखते हुए, विकास योग्य भूमि और पानी की उपलब्धता की परिसीमा पर विचार किया गया है तदनुसार अनुलग्नक 4/I और 4/II (अ व ब) में एन.सी.टी.-दिल्ली की जनसंख्या समायोजित करने की क्षमता की गणना की गई है। इन कारकों के आधार पर, एन.सी.टी.-दिल्ली में अधिकतम 220 लाख जनसंख्या समायोजित की जा सकती है। इसके अनुसार वर्ष 2001 से 2021 के बीच एन.सी.टी.-दिल्ली की वृद्धि दर 73% होती है। वर्ष 2001-2011 और 2011-2021 के बीच दशकीय वृद्धि दर क्रमशः 31.29% और 31.92% परिकलित की गई है। एन.सी.टी.-दिल्ली और शेष रा.रा. क्षे. आयोजना में एकरूपता लाने के लिए, क्षेत्रीय योजना-2021 ने एन.सी.टी.-दिल्ली के लिए 220-230 लाख आबादी प्रस्तावित की गई है।

4.4.3 हरियाणा, राजस्थान और उत्तर प्रदेश उप-क्षेत्र

एन.सी.टी.-दिल्ली के भीतर अनुमानित जनसंख्या को ध्यान में रखते हुए अतिरिक्त संभावित जनसंख्या को हरियाणा, उत्तर प्रदेश और राजस्थान उप-क्षेत्रों में अनुपातिक रूप से बांट दिया गया है। राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र के लिए लक्ष्य जनसंख्या सारणी 4.19 में दी गई।

सारणी 4.19: राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र और उप-क्षेत्रों की निर्धारित जनसंख्या (लाख में)

वर्ष	रा.रा.क्षे. कुल	एन.सी.टी.-दिल्ली		हरियाणा		राजस्थान		उत्तर प्रदेश	
		जनसंख्या	कुल का %	जनसंख्या	कुल का %	जनसंख्या	कुल का %	जनसंख्या	कुल का %
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
2001	371.00	138.50	37.33	86.87	23.42	29.92	8.06	115.70	31.19
2021	641.38	225.00	35.08	163.50	25.49	49.38	7.70	203.50	31.73

स्रोत: जनगणना 2001, भारत की जनगणना

4.4.4 मेट्रो केन्द्रों तथा क्षेत्रीय केन्द्रों के लिए जनसंख्या निर्धारण

नगरों के विकास की संभावनाओं के आधार पर, राज्य सरकारों द्वारा वर्ष 2021 के लिए मेट्रो केन्द्रों तथा क्षेत्रीय केन्द्रों (मानचित्र 4.2 राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र: प्रस्तावित सेटलमेन्ट पैटर्न 2021) के लिए आबादी निर्धारित की। इस जनसंख्या लक्ष्यों पर योजना समिति की 49वीं बैठक में चर्चा की गई और 2011 तथा 2021 के लिए संबंधित राज्य सरकारों ने निम्नलिखित जनसंख्या निर्धारण पर सहमति व्यक्त की। यह भी सिफारिश की गई कि जनगणना 2011 के आंकड़े उपलब्ध होने के बाद 2021 के लिए निश्चित आंकड़े सुस्पष्ट किए जायेंगे।

4.4 POPULATION ASSIGNMENT

4.4.1 Population Assignment for NCR

Total population of NCR is projected to be 641.38 lakhs by 2021, which is proposed to be accommodated within the region.

4.4.2 NCT-Delhi Sub-region

The population for NCT-Delhi has been projected for 2011 and 2021 as per three different methods as indicated in the following Table 4.18. The projected figure for the year 2021 varies between 224.39 lakhs to 324.96 lakhs.

Table 4.18: Population Projections for NCT-Delhi by Different Methods

Method	Projection (Person)	
	2011	2021
1	2	3
Exponential Growth Rate	1,79,90,327	2,34,86,698
Water's II Formula	2,05,78,059	3,24,96,135
Ratio Method	1,67,24,398	2,24,39,532

However, the most optimal projections place the population figure for 2021 at 234.87 lakhs. Keeping in view the policy parameters laid down for this plan, availability of developable land and water have been considered as limiting factors and accordingly in Annexure 4/I and 4/II the holding capacity of NCT-Delhi has been worked out. Based on these factors, the maximum population, which can be accommodated within NCT-Delhi, comes to 220 lakhs. This works out to a growth rate of 73% for NCT-Delhi between 2001 and 2021. The decadal growth rate works out to be 31.29% during the period 2001-2011 and 31.92% during 2011-2021. In order to synergize the planning of NCT-Delhi and Rest of the NCR, Regional Plan-2021 has proposed a population of 220-230 lakhs for NCT-Delhi by 2021.

4.4.3 Haryana, Rajasthan and Uttar Pradesh Sub-regions

Keeping in view the population assignment for NCT-Delhi additional expected population has been distributed proportionately amongst Haryana, Rajasthan and Uttar Pradesh Sub-regions. The assigned population for NCR is given in Table 4.19.

Table 4.19: Assigned Population of NCR and Sub-regions (in lakhs)

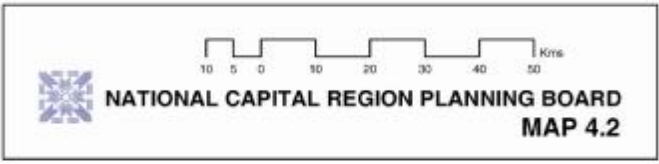
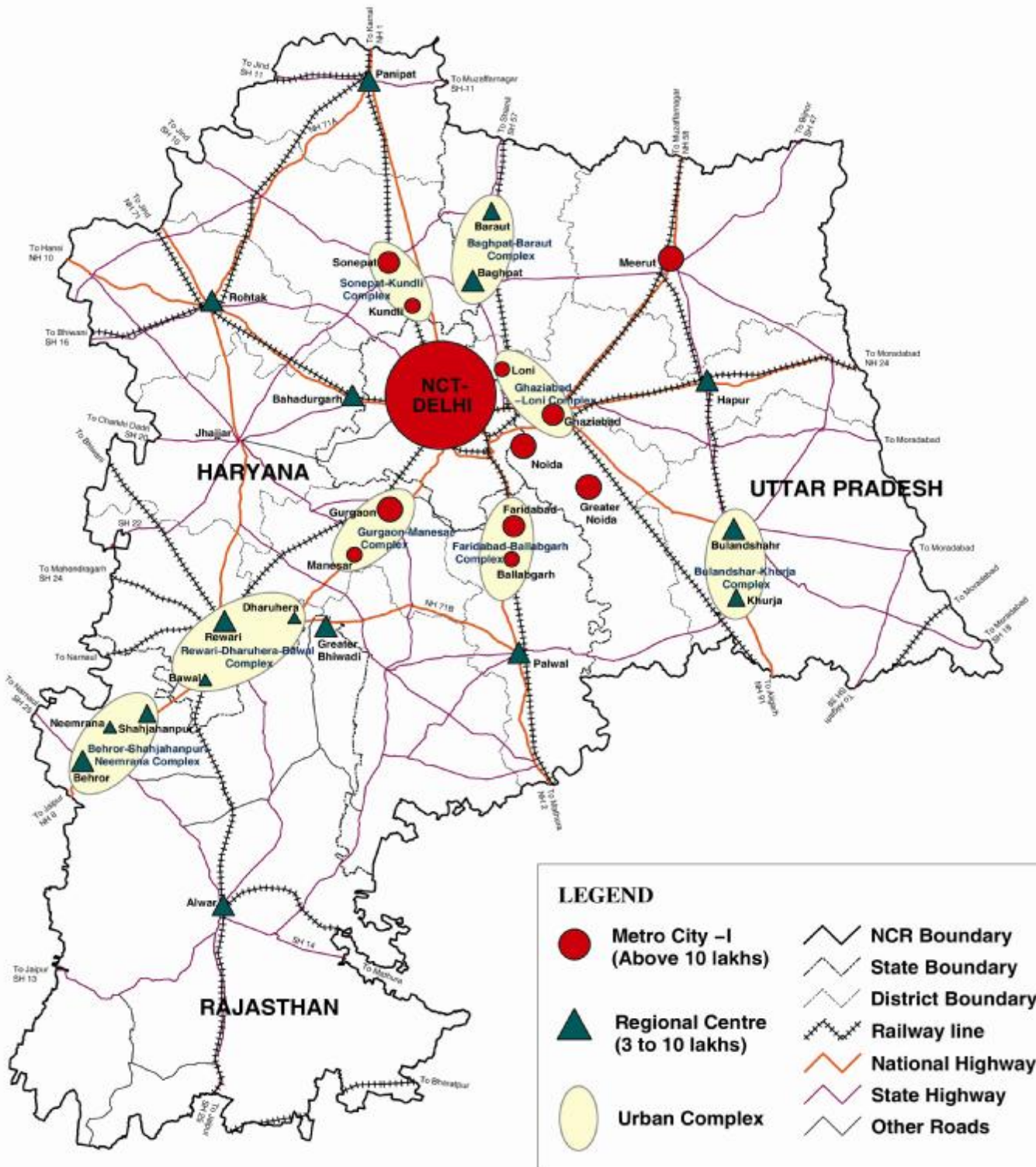
Year	NCR Total	NCT-Delhi		Haryana		Rajasthan		Uttar Pradesh	
		Population	% to total	Population	% to total	Population	% to total	Population	% to total
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
2001	371.00	138.50	37.33	86.87	23.42	29.92	8.06	115.70	31.19
2021	641.38	225.00	35.08	163.50	25.49	49.38	7.70	203.50	31.73

Source: Census 2001, Census of India

4.4.4 Population Assignment for Metro Centres and Regional Centres

Depending upon the potential for development of the towns, the State Governments have assigned population for Metro and Regional Centres (refer Map 4.2 National Capital Region: Proposed Settlement Pattern 2021) for the perspective year 2021. These population assignments were discussed in the 49th Planning Committee meeting and following population assignments for 2011 and 2021 were agreed by the respective State Governments. It was further recommended that firm figures for 2021 be specified after the Census 2011 data is available.

NATIONAL CAPITAL REGION PROPOSED SETTLEMENT PATTERN 2021



Source: NRSA Study

सारणी 4.20: दिल्ली, मेट्रो तथा क्षेत्रीय केन्द्रों के लिए जनसंख्या (2011 व 2021)

नगर का नाम	आबादी (व्यक्ति)		
	जनगणना 2001	योजना समिति द्वारा यथा निर्धारित	
		2011	2021
1	2	3	4
एन. सी. टी. -दिल्ली	138.50	193.00	220.00-230.00
केन्द्रीय राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र के भीतर मेट्रो तथा क्षेत्रीय केन्द्र			
बहादुरगढ़	1.32	2.00	3.00
फरीदाबाद-बल्लभगढ़ परिसर	10.56	16.00	25.00
गुड़गांव-मानेसर परिसर	2.29	4.50	16.50
गाजियाबाद-लोनी परिसर	10.89	19.00	30.19
नोएडा	3.05	6.00	12.00
सोनीपत-कुंडली परिसर	2.34	3.50	10.00
उप-योग (एन. सी. टी. -दिल्ली को छोड़कर)	30.45	51.00	96.69
केन्द्रीय राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र के बाहर मेट्रो तथा क्षेत्रीय केन्द्र			
पानीपत	3.54	5.00	7.00
रोहतक	2.94	4.20	6.00
पलवल	1.00	1.70	4.00
रेवाड़ी-धारुहेड़ा-बावल परिसर	1.31	2.00	4.00
मेरठ	11.62	15.00	22.00
हापुड़	2.12	3.00	4.50
बृहत् नोएडा	0.30	7.00	12.00
बुलंदशहर-खुर्जा परिसर	2.74	3.70	4.77
बागपत-बरोत परिसर	1.22	1.60	3.00
अलवर	2.66	3.40	4.50
बृहत्तर भिवाड़ी	0.34	1.00	3.00
शाहजहांपुर-नीमराना-बेहरोड़ परिसर	0.36	1.00	3.00
उप-योग	30.15	48.60	77.77

4.4.5 उप-क्षेत्रीय केन्द्रों तथा अन्य अपेक्षाकृत छोटी बस्तियों के लिए जनसंख्या निर्धारण

उप-क्षेत्रीय केन्द्रों, सेवा केन्द्रों तथा केन्द्रीय गांवों के लिए जनसंख्या का निर्धारण भागीदारी राज्यों द्वारा उप-क्षेत्रीय योजनाएं तैयार करते समय किया जाएगा। तथापि, अनुलग्नक 4/III में, सभी शहरी केन्द्रों के लिए जनसंख्या अनुमान, पिछले रूझानों तथा अन्य जनसंख्यिकीय सिद्धान्तों के आधार पर तैयार की गई हैं।

Table 4.20: Population for Delhi, Metro and Regional Centres (2011 and 2021)

Name of Town	Population (in lakhs)		
	Census 2001	As finalized by Planning Committee	
		2011	2021
1	2	3	4
NCT-Delhi	138.50	193.00	220.00-230.00
Metro and Regional Centres within CNCR			
Bahadurgarh	1.32	2.00	3.00
Faridabad-Ballabgarh complex	10.56	16.00	25.00
Gurgaon-Manesar complex	2.29	4.50	16.50
Ghaziabad-Loni complex	10.89	19.00	30.19
NOIDA	3.05	6.00	12.00
Sonepat-Kundli complex	2.34	3.50	10.00
Sub-total (excluding NCT-Delhi)	30.45	51.00	96.69
Metro and Regional Centres outside CNCR			
Panipat	3.54	5.00	7.00
Rohtak	2.94	4.20	6.00
Palwal	1.00	1.70	4.00
Rewari-Dharuhera-Bawal complex	1.31	2.00	4.00
Meerut	11.62	15.00	22.00
Hapur-Pilkhua complex	2.12	3.00	4.50
Greater NOIDA	0.30	7.00	12.00
Bulandshahr-Khurja complex	2.74	3.70	4.77
Baghpat-Baraut complex	1.22	1.60	3.00
Alwar	2.66	3.40	4.50
Greater Bhiwadi	0.34	1.00	3.00
Shahjahanpur-Neemrana-Behror complex	0.36	1.00	3.00
Sub-total	30.15	48.60	77.77

4.4.5 Population Assignment for Sub-regional Centres and Other Lower Hierarchy Settlements

The assignment of population to the Sub-regional Centres, Service Centres and Central Villages will be taken up by the participating States at the time of the preparation of Sub-regional Plans. However, the population projections for all the urban centres, given at Annexure 4/III, have been worked out on the basis of past trends and other demographic principles.